SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

संधि - दो वर्णों के परस्पर मेल से उत्पन्न होने वाले विकास को सान्ध कहत हैं।

उदाहरण:- गिरीन्द्र (संधि शब्द) = गिरि + इन्द्र (संधि विच्छेद)

सन्धि के तीन भेद होते हैं –

(1) स्वर संधि

(2) व्यंजन संधि

(3) विसर्ग संधि

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

(1) स्वर सन्धि:- स्वर संधि = स्वर + स्वर (का मेल)

उदाहरण –

देव + अलय = देवालय

स्वर संधि के पांच भेद होते है -

(A) दीर्घ संधि

(B) गुण संधि

(C) वृद्धि संधि

(D) यण संधि

(E) अयादि संधि

(A) दीर्घ स्वर संधि - ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ के बाद यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ आये जाएँ तो दोनों मिलकर दीर्घ आ, ई और ऊ हो जाते हैं।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

उदाहरण -

देवालय = देव + आलय (अ + आ = आ)

रेखांकित = रेखा + अंकित (आ + अ =आ)

नदीश = नदी + ईश (ई + ई = ई)

कपीश = कपि + ईश (इ + ई = ई)

वधूत्सव = वधु + उत्सव (उ + उ = ऊ)

लघूर्मि = लघु + ऊर्मि (उ + ऊ = ऊ)

(B) गुण स्वर संधि –

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(I) अ या आ के बाद इ या ई आए तो दोनों के मेल से "ए" म परिवर्तन हो जाता हैं।

(II) अ या आ के बाद उ या ऊ आए तो दोनों के मेल से "ओ" में परिवर्तन हो जाता हैं।

उदाहरण –

महेन्द्र = महा + इन्द्र (आ + इ = ए)

राजेश = राजा + ईश (आ + ई = ए)

जलोर्मि = जल + ऊर्मि (अ + ऊ = ओ)

वनोत्सव = वन + उत्सव (अ + उ = ओ)

(C) वृद्धि स्वर संधि-

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(I) अ या आ के बाद ए या ऐ आए तो "ऐ" हो जाता है।

(II) अ या आ के बाद औ या ओ आए तो "औ" हो जाता हैं।

उदाहरण –

एकैक = एक + एक (अ + ए = ऐ)

धनैश्वर्य = धन + ऐश्वर्य (अ + ऐ = ऐ)

परमौषध = परम + औषध (अ +औ=औ)

महौघ = महा + ओघ (आ +ओ =औ)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(D) यण स्वर संधि –

यदि 'इ/ई', 'उ/ऊ', 'ऋ' के बाद असमान स्वर आए तो 'इ/ई' के स्थान पर 'य', 'उ/ऊ' के स्थान पर 'व्' तथा 'ऋ' के स्थान पर 'र' हो जाता है।

उदाहरण -

अत्यावश्यक = अति + आवश्यक (इ + आ = या)

स्वागत = सु + आगत (उ + आ = वा)

मन्वन्तर = मनु + अन्तर (उ + अ = व)

मात्राज्ञा = मातृ + आज्ञा (ऋ + अ = रा)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(E) अयादि स्वर संधि –

ए/ऐ और ओ/औ के बाद कोई भिन्न स्वर आए ए/ऐ का अय्/आय् और ओ/औ का अव्/आव् हो जाता है।

उदाहरण –

नयन = ने + अन (ए + अ = अय)

हवन = हो + अन

भवन = भो + अन

शावक = शौ + अक

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

व्यंजन सन्धि:-व्यंजन का व्यंजन से, व्यंजन का स्वर से या स्वर का व्यंजन से मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता हैं। उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

नियम (1):- क्, च्, ट्, त्, प् + तीसरे अथवा चौथे वर्ण या य्, र्, ल्, व्, ह या कोई स्वर -----> अपने ही वर्ग का तीसरा (क् – ग् , च् – ज् , प् – ब् , त् – द्)

उदाहरण:-

दिक् + गज = दिग्गज

जगत् + ईश = जगदीश

अच् + अन्ता = अजन्ता

सत् + आचार = सदाचार

अप् + ज = अब्ज

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

नियम (2):- क्, च्, ट्, त्, प् + न या म -----> अपने ही वर्ग का पाँचवा

उदाहरण:-

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

वाक् + मय = वाङ्मय

षट् + मुख = षण्मुख

उत् + नति = उन्नति

षट् + मास = षण्मास

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

नियम(3):- नियम - त् का मेल यदि च , छ से हो तो त, च में बदल जाता है|

उदाहरण–

उत् + चारण = उच्चारण

उत् + चरित = उच्चरित

जगत् + छाया =जगच्छाया

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

नियम(4):- त् के बाद यदि ज या झ हो तो त्, ज् में बदल जाता है|

उदाहरण-

सत् + जन = सज्जन

उत् + झित = उज्झित

नियम(5):- त् के बाद यदि ट् या ड् हो तो त् का क्रमशः ट्, ड् हो जाता है|

उदाहरण –

बृहत् + टीका = बृहट्टीका

उत् + डयन = उड्डयन

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

नियम - त् के बाद यदि ल हो तो त् का ल् हो जाता है |

उदाहरण -

उत् + लास = उल्लास

तत् + लीन = तल्लीन

उत् + लेख = उल्लेख

नियम - त् के बाद यदि 'श' हो तो 'त' का 'च' और 'श' का 'छ' हो जाता है |

उदाहरण -

उत् + श्वास = उच्छ्वास

सत् +शास्त्र = सच्छास्त्र

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

त् के बाद यदि 'ह' हो तो 'त्' के स्थान पर 'द्' और 'ह' के स्थान घर ' ध' हो जाता है ।

उदाहरण -

तत् + हित = तद्धित

उत् + हार् = उद्धार

उत् + हत = उद्धत

नियम - 'म' के बाद यदि य, र, ल, व, श, ष, स, ह में से कोई एक व्यंजन हो, तो 'म्" अनुस्वार में बदल जाता है।

उदाहरण -

सम् + योग = संयोग

सम् + हार = संहार

सम् + वाद = संवाद

सम् + सार = संसार

सम् + शय = संशय

नियम - 'म' के बाद 'म' आने पर कोई परिवर्तन नहीं होता है।

उदाहरण -

सम् + मान = सम्मान

सम् + मति =सम्मति

स' सम्बन्धी नियम - 'स' से पहले 'अ' , 'आ' से भिन्न स्वर हो तो 'स' का 'ष' हो जाता है।

उदाहरण -

वि + सम = विषम

वि + साद = विषाद

सु + समा = सुषमा

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

विसर्ग संधि - विसर्ग (:) के बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो विकार (परिवर्तन) होता है उसे विसर्ग-संधि कहते हैं।

उदाहरण –

मनः + अनुकूल = मनोनुकूल

नियम (1):- विसर्ग के पहले अ हो + 3,4,5,वर्ण हो या य,र,ल,व,ह हो या अ ----> ओ हो जाता हैं।

उदाहरण-

मनः + योग = मनोयोग

मनः + हर = मनोहर

मनः + ज = मनोज

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

नियम (2):- यदि विसर्ग के पहले इ,ई,उ,ऊ हो और विसर्ग के बाद 3,4,5,वर्ण हो या य,र,ल,व,ह हो तो विसर्ग का र् हो जाता हैं।

उदाहरण-

निः + जन = निर्जन

निः + आधार = निराधार

दुः + आस्था = दुरास्था

नियम (3):- यदि विसर्ग के पूर्व अ , आ से अतरिक्त कोई अन्य स्वर हो तथा विसर्ग के बाद क,ख,ट,प,फ हो तो विसर्ग ष् में परिवर्तित हो जाता है।

उदाहरण-

निः + फल = निष्फल

चतुः + षस्टि = चतुष्पस्टि

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

नियम (4):- विसर्ग के बाद च,छ,श हो, तो विसर्ग का श् का हो जाता है।

उदाहरण -

दुः + शासन = दुश्शासन

निः + चल = निश्चल

नियम (5):- पहले इ या उ स्वर : + सामने र हो -------> विसर्ग के पूर्व के स्वर का लोप हो जाता है और वह दीर्घ हो जाता हैं।

उदाहरण-

निः + रोग = नीरोग

निः + रस = नीरस